भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 4292

जिसका उत्तर 19.03.2020 को दिया जाना है

एनएच-3 का चौड़ीकरण

4292. श्री विवेक नारायण शेजवलकरः

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय राजमार्ग (एन.एच.)-3 के पिपराई-निरावली खंड पर यातायात की संख्या अधिक है और यह 36000 पी.सी.यू. है जिसके कारण शीघ्र छह लेन में बदलने की आवश्यकता है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का भारतमाला परियोजना के तहत उक्त सड़क को छह-लेन का बनाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त कार्य के कब तक शुरू किए जाने और पूरा होने की संभावना है;

(घ) क्या सरकार का पूर्व में निर्मित पूर्वी बाईपास के लंबे खंड के मद्देनजर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 3 पर रायडू से तिगरा तक वाया गोल पहाड़िया गिरवाई नाका पश्चिमी बाईपास के निर्माण का विचार है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस प्रयोजन हेतु क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ङ) राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-3) के पिपराई-निरावली खंड पर औसत यातायात लगभग 43,927 पीसीयू है। पिपराई-निरावली खंड के उन्नयन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के लिए कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा, ग्वालियर शहर की पश्चिमी ओर बाईपास की डीपीआर तैयार करने के लिए प्रापण कार्य शुरू कर दिया गया है। विभिन्न योजनाओं के तहत सड़क खंडों का विकास यातायात घनत्व, उन्नयन आवश्यकताओं, लेन विन्यासीकरण (अर्थात 2-लेन / 4-लेन / 6-लेन आदि), मार्गाधिकार (आरओडब्ल्यू) निर्धारण, परियोजना व्यवहार्यता, पारस्परिक-प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के बारे में उचित रूप से विचार करते हुए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) / व्यवहार्यता अध्ययन के परिणाम के आधार पर संरेखण, लागत अनुमानों, भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता आदि के अंतिम निर्धारण के बाद किया जाता है।

*****